सफारी एक्सप्रेस

JANUARY-FEBRUARY-MARCH-2024

निदेशक की कलम से

इटावा सफारी पार्क, इटावा द्वारा इस त्रैमासिक न्यूज लेटर के प्रथम अंक के माध्यम से माह जनवरी, फरवरी व मार्च 2024 से सफारी पार्क में हुई मुख्य गतिविधियों को संक्षेप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह सम्पूर्ण अंक सफारी पार्क एवं वन्यजीव संरक्षण को समर्पित है जिसमें सफारी पार्क में पाए जाने वाले वन्यजीवों एवं उनसे सम्बन्धित जानकारी उपलब्ध करायी जा रही है। इटावा सफारी पार्क द्वारा इन तीन माह में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों जैसे – नेचर एण्ड बर्ड फेस्टिवल 2024, विश्व आर्द्रभूमि दिवस, सूर सरोवर महोत्सव 2024, ग्लोबल रिसाइकिलिंग डे, विश्व गौरैया दिवस, विश्व वानिकी दिवस आदि का आयोजन किया गया।

हमें हर्ष है कि इस न्यूज लेटर के माध्यम से सफारी पार्क के सामान्य क्रियाकलापों के साथ–साथ वन्यप्राणियों के संरक्षण हेतु इटावा सफारी पार्क प्रबन्धन द्वारा की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों से आपका परिचय कराया जा रहा है।

(डा. अनिल कुमार पटेल)
भा.व.से.
निदेशक
इटावा सफारी पार्क, इटावा

Address :
Director, Etawah Safari Park
Etawah Gwalior Road,
Etawah - 206001
Phone : +91-7839435094
Email : dirlsetawah@gmail.com

Etawah Safari Park remains closed for tourists on Monday

FACEBOOK INSTAGRAM TWITTER

इटावा सफारी पार्क परिचय

एशियाई बब्बर शेर प्रजनन केंद्र और मल्टीपल सफारी पार्क, इटावा शहर से लगभग चार किलोमीटर दूर, इटावा–ग्वालियर राजमार्ग पर ऐतिहासिक 'फिशर फॉरेस्ट' में स्थित है। 1884 में, इटावा के तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेट, श्री जेएच फिशर स्थानीय जमींदारों को 1146.07 हेक्टेयर के बीहड़ क्षेत्र को स्वेच्छा से सरकार को सौंपने के लिए मनाने में सक्षम रहे थे, ताकि इस क्षेत्र को लगातार हो रहे मिट्टी के कटाव और भूमि के क्षरण से बचाया जा सके। तद्नुसार, क्षेत्र की जुताई की गई और देशी बबूल (अकेशिया निलोटिका), शीशम (डाल्बर्जिया सिस्सू), और नीम (अजादिराक्टा इंडिका) के बीजों का छिड़काव कराया गया और क्षेत्र को मवेशियों के चरने के लिए प्रतिबन्धित कर दिया गया।

उपरोक्त प्रजातियों में देशी बबूल की वृद्धि अत्यन्त उत्साह जनक रही, जिसके फलस्वरूप 1912 में, कानपुर की एलन कूपर कंपनी जो तत्समय चर्मशोधन हेतु बबूल के छाल का उपयोग कर रही थी, दो रूपये पचास पैसे प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष की दर पर 50 वर्ष की अवधि के लिए पट्टे पर पूरी जमीन लेने के लिए आकर्षित हुई। इस कंपनी ने वर्ष 1914 तक फिशर वनों का व्यावसायिक रूप से दोहन किया लेकिन दो साल बाद ही कंपनी ने रुपये की देनदारी के साथ वन विभाग को पट्टा वापस सौंप दिया। इस प्रकार वर्ष 1914 से फिशर वन, वन विभाग के नियंत्रण में आ गया।

स्थानीय लोगों को जंगल पर कब्जा करने से रोकने के दृष्टिगत वन विभाग द्वारा दो प्रकार की गतिविधियों की शुरूआत की गईं। पहला–मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए चेक डैम का निर्माण और दूसरा–उपयुक्त प्रजातियों का वृक्षारोपण और बीज बुआन। कालान्तर में इस क्षेत्र में चौड़ी पत्ती वाले वनों की स्थापना हुई। हालाँकि, उच्च जैविक दबाव के कारण, चौड़ी पत्ती वाली प्रजातियाँ धीरे–धीरे समाप्त हो गईं और अंततः यह क्षेत्र गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त और अवनत हो गया। वर्ष 1985 और उसके बाद के कुछ वर्षों में प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा की प्रसारण विधि से बुआई की गई। परिणामस्वरूप प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा का घनत्व बढ़ गया और यह क्षेत्र अन्य प्रजातियों के पौधों की कहीं कहीं पर उपस्थिति के साथ प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा वन में परिवर्तित हो गया।

दुःखद और क्रूर इतिहास

दंतकथाओं के अनुसार एशियाई बब्बर शेर (पेंथेरा लियो पर्सिका) एक समय पूरे उत्तरी, पश्चिमी और मध्य भारतीय जंगलों (हिंदूकुश से बंगाल की खाड़ी और नर्मदा नदी तक) में भ्रमण और राज करता था। ऐतिहासिक अभिलेखों से पता चलता है कि उत्तरी भारत में, मध्यकाल तक प्रवासी शेरों के प्रभुत्व वाले आखिरी क्षेत्र यमुना नदी के जलग्रहण क्षेत्र के जंगल थे, क्योंकि मुगल सम्राटों ने शिवालिक पर्वत के जंगलों (अब सहारनपुर वन प्रभाग) और दिल्ली के आसपास अरावली रेंज के जंगलों में बब्बर शेर का शिकार किया था। भारत के शाही गजेटियर (संयुक्त प्रांत आगरा और अवध, खंड 1, 1908) के अनुसार इस क्षेत्र में शेर के प्रवास का आखिरी प्रमाण 1864 में इलाहाबाद, अब प्रयागराज जिले के श्योराजपुर में मारे जाने के रूप में मिलता है। तेजी से मानव एवं मवेशी की जनसंख्या वृद्धि के परिणामस्वरूप दक्षिणी काठियावाड़ प्रायद्वीप में गुजरात के गिर के जंगलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और शिकार के घटते आधार के साथ मानव–वन्यजीव संघर्ष के कारण एशियाई शेरों की केवल एक छोटी आबादी ही जंगल में रह गई। एशियाई बब्बर शेरों के प्रजाति के संरक्षण के दृष्टिकोण से ही बब्बर शेर प्रजनन केन्द्र की स्थापना की गई है। इस परियोजना के अन्तर्गत विभिन्न चरणों में निम्नानुसार कार्य कराये गये।

कार्य का विवरण	क्षेत्रफल (हे0में)
बब्बर शेर प्रजनन केन्द्र का विकास	05
पशु चिकित्सालय व नियो नेटल केन्द्र की स्थापना	
बब्बर शेर सफारी स्थापना	50
लैपर्ड सफारी स्थापना	21
बियर सफारी स्थापना	21
एंटीलोप सफारी स्थापना	30
डियर सफारी स्थापना	31
विजिटर फैसिलिटेशन सेंटर	05

इटावा सफारी पार्क के वन्यजीव

बब्बर शेर सफारी –

बब्बर शेर सफारी कुल 50हे0 क्षेत्र में स्थापित है। केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के निर्धारित मानकों के अनुसार सफारी क्षेत्र में कार्य कराया जा रहा है। पर्यटकों हेतु इस सफारी को खोले जाने की कार्यवाही पूर्ण की गयी है। बब्बर शेरों को सफारी क्षेत्र में छोड़े जाने का रिर्हसल शुरू कर दिया गया है। इस क्षेत्र के बीचो–बीच नाला होने के कारण 50हे0 क्षेत्र को 27 व 23हे0 के क्षेत्रों में अस्थाई रूप से विभक्त किया गया है। वर्तमान में 27हे0 क्षेत्रफल वाले भाग के 5हे0 क्षेत्र में पांच बब्बर शेर (1 नर : 4 मादा) प्रदर्शन हेतु छोड़े जा रहे है।

लैपर्ड सफारी –

यह सफारी 21हे0 क्षेत्र में विस्तारित है जिसमे कृत्रिम गुफा व अन्य इंरिचमेंट की सुविधायें उपलब्ध है। वर्तमान में 15 लैपर्ड इस सफारी हेतु उपलब्ध है। सफारी को पर्यटकों हेतु शीघ्र खोला जाना प्रक्रियाधीन है।

बियर सफारी –

21हे0 क्षेत्र में स्थापित इस सफारी हेतु वर्तमान में 01 नर भालू (कालिया, उम्र 21 वर्ष) ही उपलब्ध है। यह सफारी पर्यटकों हेतु संचालित है। इनमें और भालुओं को लाये जाने का प्रयास प्रक्रियाधीन है।

एंटीलोप सफारी –

कुल 30हे0 क्षेत्र में विस्तारित सफारी में वर्तमान में 147 ब्लैक बक (कृष्ण मृग) व 02 नील गाय उपलब्ध है। यह सफारी पर्यटकों हेतु संचालित है।

डियर सफारी –

31हे0 क्षेत्र में विस्तारित डियर सफारी में वर्तमान में 15 सांभर व 87 चीतल विचरण कर रहे है। यह सफारी भी पर्यटकों हेतु संचालित है। इनके भोजन व पानी की सफारी में ही व्यवस्था की जाती है।

महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में प्रतिभाग

- दिनांक 31.01.2024 को सूरजपुर पक्षी बिहार, ग्रेटर नोयडा में आयोजित राज्य स्तरीय विश्व आर्द्रभूमि दिवस पर इटावा सफारी पार्क की टीम द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- दिनांक 18.02.2023 से 19.02.2023 को सूर सरोवर पक्षी बिहार, कीठम, आगरा में आयोजित ताज महोत्सव पर इटावा सफारी पार्क की टीम द्वारा प्रतिभाग किया गया।

महत्वपूर्ण दिवसों का आयोजन

- दिनांक 02.02.2024 को विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न स्कूलों के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- दिनांक 03.03.2024 को विश्व वन्यजीव दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के विभिन्न समाचार पत्रों/टीवी चैनल के पत्राकारों द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- दिनांक 20.03.2024 को गौरैया दिवस के अवसर पर पार्क के कर्मियों के साथ आयोजन किया गया।
- दिनांक 21.03.2024 को विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर पार्क के कर्मियों के साथ आयोजन किया गया।

इटावा सफारी पार्क का शैक्षणिक/प्रशिक्षण भ्रमण

विभिन्न संस्थानों से भ्रमण हेतु आये हुए वनकर्मियों/स्कूली छात्र–छात्राओं को इटावा सफारी पार्क का भ्रमण कराया गया एवं यहां वास कर रहे वन्यप्राणियों के बारे में जानकारी दी।

- वानिकी प्रशिक्षण संस्थान, कानपुर से 25 वनकर्मियों द्वारा दिनांक 07.01.2024 को।
- वानिकी प्रशिक्षण संस्थान, बाईपुर आगरा से 20 वनकर्मियों द्वारा दिनांक 24.01.2024
- हरियाणा वन विभाग से 30 वनकर्मियों द्वारा दिनांक 02.02.2024 को।
- वानिकी प्रशिक्षण संस्थान, बाईपुर आगरा से 20 वनकर्मियों द्वारा दिनांक 24.04.2024
- सैनिक स्कूल, मैनपुरी के 60 छात्र–छात्राओं द्वारा दिनांक 24.02.2024 को।
- वानिकी प्रशिक्षण संस्थान, कानपुर से 40 वनकर्मियों द्वारा दिनांक 28.02.2024 को।
- वानिकी प्रशिक्षण संस्थान, कानपुर से 25 वनकर्मियों द्वारा दिनांक 01.03.2024 को।
- वानिकी प्रशिक्षण संस्थान, कानपुर से 42 वनकर्मियों द्वारा दिनांक 13.03.2024 को।
- राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में 11 राज्यों से एन.एस.एस. के 250 छात्र–छात्रायें एवं दलनायकों द्वारा दिनांक 16.02.2024 को।
- वानिकी प्रशिक्षण संस्थान, कानपुर से 38 वनकर्मियों द्वारा दिनांक 17.03.2024 को।
- सैनिक स्कूल, मैनपुरी के 65 छात्र–छात्राओं द्वारा दिनांक 17.03.2024 को।

केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली का दौरा

दिनांक 27.01.2024 से 28.01.2024 तक केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली की मूल्यांकन टीम द्वारा इटावा सफारी पार्क के ''मिनी जू'' दर्जा हेतु भ्रमण/निरीक्षण किया गया।

इटावा सफारी पार्क में प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव, उत्तर प्रदेश महोदय का दौरा

- इटावा सफारी पार्क में दिनांक 10.01.2024 को उत्तर प्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव श्री अंजनी कुमार आचार्य को भ्रमण कराया गया, इटावा सफारी पार्क में कराये जा रहे विभिन्न कार्यों के बारे में एवं सफारी पार्क के वन्यप्राणियों के बारे में आवश्यक जानकारी दी।
- दिनांक 03.02.2024 को सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, उत्तर प्रदेश डा0 रूपक डे द्वारा इटावा सफारी पार्क का भ्रमण किया गया।

इस त्रैमास में विशिष्टजनों द्वारा भ्रमण

- श्री गिरीश कुमार वैश्य, जिला जज औरैया।
- श्री मुकुल गुप्ता, सेन्ट डियागो।
- श्री एन0एल0 साहू, डी0जी0एम0 नावार्ड।
- जस्टिस राजेन्द्र कुमार, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय।

पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु भ्रमण

- विदेशी पर्यटकों द्वारा सफारी पार्क का भ्रमण।
- पर्यटन को प्रोत्साहित करने हेतु 50 बाइकर्स की टीम।
- आई.टी.सी. मुगल होटल के 300 पर्यटकों का भ्रमण।

मुख्य सम्पादक : डा0 अनिल कुमार पटेल, भा0व0से0
सम्पादकीय टीम : डा0 विनय कुमार सिंह, प्रा0व0से0, श्री बी0एन0 सिंह, प्रा0व0से0 (से0नि0)
डिजायन : शशांक पटेल